

(b) if not, what is the reason for this discrimination; and

(c) what was the amount of remuneration paid last year for the articles in English and for those in Indian languages respectively?

**सिंचाई तथा विद्युत् मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री श्री० वी० अलगेसन) :** (क) इस मंत्रालय के उत्वाधान में दो मासिक पत्रिकायें नामशः "भागीरथ" (केन्द्रीय जल तथा विद्युत् आयोग में सम्पादित) तथा "इरिगेशन एण्ड पावर जर्नल" (केन्द्रीय सिंचाई तथा विद्युत् बोर्ड में सम्पादित) प्रकाशित हो रही हैं। ये केवल अंग्रेजी में ही प्रकाशित होती हैं। इन मंत्रालय में कोई पत्रिका भारतीय भाषाओं में प्रकाशित नहीं होती है।

(ख) तथा (ग) प्रश्न नहीं उठता।

†[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER (SHRI O. V. ALAGESAN): (a) Two monthly periodicals are being published under the auspices of this Ministry, namely, "Bhagirath" (edited in Central Water and Power Commission) and "Irrigation and Power Journal" (edited in Central Board of Irrigation and Power). They are published in English only. No Journal in Indian languages is published by this Ministry.

(b) and (c) Do not arise.]

**रेलवे द्वारा निकाले गये और समाचारपत्रों आदि में प्रकाशित किये गये विज्ञापन**

**२२१. श्री नवाबसिंह चौहान :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) उन के मंत्रालय तथा उसके संलग्न कार्यालयों द्वारा जितने समाचारपत्र और पत्रिकाएं इस समय अंग्रेजी तथा अन्य भारतीय भाषाओं में निकाली जाती हैं उन में केन्द्रीय

सरकार के जो विज्ञापन प्रकाशनार्थ आते हैं वे प्रत्येक भाषा के समाचारपत्रों और पत्रिकाओं के लिये अलग अलग आते हैं अथवा सम्मिलित रूप से ;

(ख) यदि वे सम्मिलित रूप से आते हैं तो क्या उन का वितरण अंग्रेजी तथा अन्य भारतीय भाषाओं के समाचारपत्रों और पत्रिकाओं को समान रूप से किया जाता है और यदि नहीं तो इस का क्या कारण है ; और

(ग) क्या इन समाचारपत्रों और पत्रिकाओं के आय-व्यय का लेखा अलग अलग रखा जाता है ; और यदि हां, तो पिछले वर्ष प्रत्येक समाचारपत्र और पत्रिका को सम्मिलित रूप से आये हुए विज्ञापनों से कितनी आय हुई ?

†[ADVERTISEMENTS PUBLISHED IN NEWSPAPERS ETC., AND BROUGHT OUT BY RAILWAYS

**221. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN:** Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether the advertisements pertaining to the Central Government which are received for publication in the newspapers and periodicals at present brought out by his Ministry and its attached offices in English and Indian languages, are received separately for the papers and periodicals of each language or collectively,

(b) if they are received collectively, whether they are allocated equally to the papers and periodicals in English and other Indian languages and if not, the reason therefor; and

(c) whether the accounts of income and expenditure in respect of these newspapers and periodicals are maintained separately and if so, what was the income with respect to each news-

paper and periodical from the advertisements received collectively last year?]

**रेल मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शाहनवाज खाँ) :** (क) रेल मंत्रालय द्वारा प्रकाशित अंग्रेजी मासिक "इंडियन रेलवेज" और हिन्दी मासिक "भारतीय रेल" के लिए केन्द्रीय सरकार के विज्ञापन, सूचना और प्रसारण मंत्रालय के विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय द्वारा अलग-अलग प्राप्त होते हैं।

(ख) सवाल नहीं उठता।

(ग) "इंडियन रेलवेज" और "भारतीय रेल" के आय-व्यय का लेखा अलग-अलग रखा जाता है। ऊपर (क) को देखते हुए सम्मिलित विज्ञापनों से आय होने का सवाल नहीं उठता।

†[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHAH NAWAZ KHAN): (a) Advertisements pertaining to the Central Government are received through the Directorate of Advertising and Visual Publicity, Ministry of I. & B. separately for 'Indian Railways' and 'Bharatiya Rail' English and Hindi monthlies respectively, brought out by the Ministry of Railways.

(b) Does not arise.

(c) Accounts of income and expenditure of 'Indian Railways' and 'Bharatiya Rail' are maintained separately. In view of (a) above the question of income from collective advertisements does not arise.]

### ट्रिप्टिक सिस्टम

२२२. श्री विमलकुमार मन्नालालजी चोरडिया: क्या रेल मंत्री ६ मई, १९६२ को राज्य सभा में तारांकित प्रश्न संख्या

३४६ तथा उस पर पूछे गये अनुपूर्वक प्रश्नों के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) भारत सरकार ने जिस ट्रिप्टिक सिस्टम को स्वीकार कर लिया है उस की रूपरेखा क्या है ; और

(ख) इस सिस्टम के बारे में किस किस देश से चर्चा हुई और उस का क्या क्या परिणाम निकला ?

### †[TRIPTYQUE SYSTEM

222. SHRI V. M. CHORDIA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to read to the reply given to Starred Question No. 349 in the Rajya Sabha on the 9th May, 1962 and supplementaries thereon and state:

(a) what are the outlines of Triptyque system which has been accepted by the Government of India; and

(b) the names of the countries with which talks were held on this system and what was the outcome thereof?]

**रेल मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शाहनवाज खाँ) :** (क) तथा (ख) इस मामले का सम्बन्ध रेलवे मंत्रालय से नहीं है ; बल्कि परिवहन और संचार मंत्रालय या वित्त-मंत्रालय से है जिन का ध्यान इस ओर दिलाया जा रहा है।

†[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHAH NAWAZ KHAN): (a) and (b) The matter does not concern the Ministry of Railways but relates to the Ministry of Transport and Communications or the Ministry of Finance whose attention is being drawn to the same.]